डीपीएस सेक्टर-45 में कक्षा दस के विद्यार्थी अमोघ बंसल अपने माता पिता और छोटे भाई के साथ ।

अमोघ बंसल (99.6) कक्षा

सोशल साइंस	1
साइंस	1
स्पैनिश	1
इंग्लिश	
मैथ	
आर्टिफिशल इंटेलिजैंस	1

योजना के अनुरूप पढ़ाई कर पूरा करेंगे अपना लक्ष्य

अमोघ बंसल ने बताया कि वह कक्षा ग्यारह में विज्ञान संकाय से पढ़ाई करेंगे। उनका सपना कंप्यूटर इंजीनियर बनने का है। इसके लिए अभी से उन्होंने योजना भी बना ली है। योजना के अनुरूप ही वह पढ़ाई करेंगे और अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे। अमोघ कमजोर तबके के उत्थान के लिए कार्य करना चाहते हैं। उनका कहना है कि हमारी एक छोटी सी मदद जरूरतमंदों को काफी लाभ पहुंचाती है।

नंदिनी (99.4)
कक्षा बारह

विषयवार	अंक
गणित	100
कैमिस्ट्री	100
फिजिक्स	98
पेंटिंग	100
इंग्लिश	99

नंदिनी, कक्षा बारह, डीपीएस स्कूल सेक्टर 45

अब एमबीए करने की तैयारी

नंदिनी ने बताया कि वह दिल्ली विश्वविद्यालय से मैथ आनर्स में स्नात करना चाहती हैं। इसके बाद उनका सपना एमबीए कर शिक्षक बनने का सपना है। नंदिनी ने बताया कि वह अ भी पढ़ाई को लेकर अभी से पूरी तरह सजग हैं।

शिक्षक बनना चाहती हैं डीपीएस स्कूल की नंदिनी

डीपीएस स्कूल की विज्ञान संकाय की छात्रा नंदिनी ने 99 .4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। नंदिनी का कहना है कि सफल तभी होंगे जब आपके इरादे मजबूत होंगे और दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया जाएगा। इसलिए अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रयास करते रहें। नंदिनी ने कक्षा दस में 98 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। नंदिनी का कहना है कि उन्होंने ट्यूशन क्लासेस ली। जिन विषयों में कमजोर थी उनपर ज्यादा ध्यान दिया।

तनावमुक्त होकर की परीक्षा की तैयारी, रंग लाई मेहनत

नंदिनी का कहना है कि पढ़ाई को ले ज्यादा तनाव न लें बल्कि हर विषय क इंज्वाय करते हुए पढ़ें तो आपको पढ़ आनंद आएगा और आपकी उस विष रुचि भी बढ़ेगी। नंदिनी ने बताया कि प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर तैया कर रही है लेकिन जब बोर्ड परीक्षा क समय आया तो पूरा ध्यान पढ़ाई पर ह रखा। चार महीने पहले से ही उन्होंने अपने विषयों के नोट्स बनाए और तै शुरू कर दी थी। इसी की मेहनत क फल है कि आज उन्हें इतने बेहतर अं प्राप्त हुए हैं।

शिक्षकों और अभिभावकों को दिया सफलता का श्रेय

नंदिनी ने बताया कि उनको परीक्षा के समय में शिक्षकों और अभिभावकों को बहुत सहयोग मिला। शिक्षकों ने समय-समय पर मार्गदर्शन किया। अभिभावकों ने कभी भी उनको परीक्षा के अंक को लेकर कोई दबाव नहीं बनाया। हमेशा यही कहा कि बेहतर प्रदर्शन करो और जो कौशल है उसको निखारने पर ध्यान दो। नंदिनी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को दिया है। इसके साथ ही उन्होंने जेईई मैंस की परीक्षा 98 .7 परसेंटाइल पाया। अब वह जेईई एडवांस की तैयारी भी कर रही हैं। उनकी मां कुसुम एक शिक्षिका हैं और पिता कपिल निजी कंपनी में कार्यरत हैं। पढ़ाई के अलावा पेंटिंग का काफी शौक है। इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता में भी उन्होंने बेहतर स्थान पाया।

टिप्स दिए और समय-सारणी भी र की।
टरनेट मीडिया से दूरी बनाए रखी। अमोघ का कहना है कि परिवार का साथ रहा इसलिए पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे पाए।